स्वर्ण भंडार में वृद्धि

प्रीलिम्स के लिये:

विदेशी मुद्रा भंडार, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

मेन्स के लिये:

भारतीय अर्थव्यवस्था और स्वर्ण भंडार से संबंधित मुद्दे

चर्चा में क्यों?

भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India-RBI) द्वारा जारी नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान स्वर्ण भंडार (Gold Reserves) में 40.45 टन की वृद्धि दर्ज़ की गई है।

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2019-20 में स्वर्ण भंडार बढ़कर 653.01 टन (40.45 टन की वृद्धि) हो गया है, जबकि वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान स्वर्ण भंडार 612.56 टन था।
- स्वर्ण भंडार में दर्ज की गई इस वृद्धि के कारण वर्तमान में इसका कुल मूल्य बढ़कर 30.57 बिलियन डॉलर हो गया है, जबकि मार्च 2019 तक इसका मूल्य 23.07 बिलियन डॉलर था।
- ध्यातव्य है कि कुल स्वर्ण भंडार में से 360.71 टन सोना 'बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट' में आरक्षित है।
- उल्लेखनीय है कि मार्च 2020 तक कुल विदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange Reserves) में सोना बढ़कर 6.40% (मूल्य के संदर्भ में) हो गया है, जबकि मार्च 2019 तक यह 5.59% था।
- दरअसल अक्तूबर 2019-फरवरी 2020 के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि दर्ज़ की गई थी, परंतु मार्च 2020 में विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 477.81 बिलियन डॉलर हो गया है।
- मार्च 2020 में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 477.81 बिलियन डॉलर में से 263.4 बिलियन डॉलर प्रतिभूतियों में निवेश के रूप में तथा 147.5 बिलियन डॉलर अन्य केंद्रीय बैंक में आरक्षित किया गया है।

वैश्विक स्तर पर स्वर्ण भंडार की स्थिति:

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (World Gold Council) द्वारा जारी नवीनतम आँकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2020 के दौरान स्वर्ण भंडार में लगातार वृद्धि दर्ज़ की गई है। विभिन्न देशों के स्वर्ण भंडार में वृद्धि निम्नलिखित है-
  - संयुक्त अरब अमीरात का केंद्रीय बैंक (7 टन)
  - भारत (6.8 टन)
  - कजाखस्तान (2.8 टन)
  - उज़्बेकिस्तान (2.2 टन)।
- जनवरी-मार्च 2020 के बीच तुर्की के स्वर्ण भंडार में 72.7 टन (तुर्की के कुल स्वर्ण भंडार का 29%) की वृद्धि दर्ज़ की गई है।
- उल्लेखनीय है कि श्रीलंका का केंद्रीय बैंक जनवरी-मार्च 2020 में सोने का सबसे बड़ा विक्रेता था, जिसका स्वर्ण भंडार 12.9 टन से घटकर 6.7 टन हो गया है। साथ ही इस तिमाही में जर्मनी और तजाकिस्तान ने क्रमशः 2.3 टन तथा 2.1 टन सोने की बिक्री की थी।

विदेशी मुद्रा भंडार (Foreign Exchange Reserves):

- किसी देश/अर्थव्यवस्था के पास उपलब्ध कुल विदेशी मुद्रा उसकी विदेशी मुद्रा संपत्ति/भंडार कहलाती है।
- किसी भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में निम्नलिखित 4 तत्त्व शामिल होते हैं-
  - विदेशी परिसंपत्तियाँ (विदेशी कंपनियों के शेयर, डिबेंचर, बॉण्ड इत्यादि विदेशी मुद्रा में)

- स्वर्ण भंडार
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund-IMF) के पास रिज़र्व कोष (Reserve Trench)
- विशेष आहरण अधिकार (Special Drawing Rights-SDR)

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (World Gold Council):

- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC) विश्व के प्रमुख स्वर्ण उत्पादकों का एक गैर-लाभकारी संघ है।
- इसका मुख्यालय लंदन में है।
- यह स्वर्ण उद्योग के लिये एक बाज़ार विकास संगठन है, जिसमें 25 सदस्य और कई स्वर्ण खनन कंपनियाँ भी शामिल हैं।
- WGC की स्थापना विपणन, अनुसंधान और लॉबिंग के माध्यम से सोने के उपयोग तथा मांग को बढ़ावा देने के लिये की गई थी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/increase-in-gold-reserves